SHODHDHARA INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY JOURNAL(SIMJ)

Volume-I (Issue 1) – April - June2026 ISSN:

सोशल मीडिया का युवा पीढ़ी पर सामाजिक प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

डॉ अजय सैनी

कंप्यूटर विज्ञान विभाग, आर्या कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, जयपुर

Drajaysaini11@gmail.com

सारांश (Abstract)- वर्तमान वैश्विक युग में सोशल मीडिया आधुनिक समाज का अभिन्न अंग बन चुका है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी के जीवन, व्यवहार, विचार, संस्कृति एवं सामाजिक संबंधों पर सोशल मीडिया का व्यापक प्रभाव देखा जा सकता है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर), व्हाट्सएप एवं यूट्यूब जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म आज सूचना, संवाद एवं मनोरंजन के प्रमुख माध्यम बन गए हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में सोशल मीडिया के युवा वर्ग पर पड़ने वाले सकारात्मक एवं नकारात्मक सामाजिक प्रभावों का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से अध्ययन किया गया है। शोध में यह स्पष्ट किया गया है कि सोशल मीडिया ने जहाँ शिक्षा, जागरूकता एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दिया है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक अलगाव, मानसिक तनाव, साइबर अपराध एवं सांस्कृतिक परिवर्तन जैसी समस्याओं को भी जन्म दिया है। अध्ययन में समाजशास्त्रीय सिद्धांतों एवं समकालीन सामाजिक परिस्थितियों के आधार पर सोशल मीडिया की भूमिका का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

मुख्य शब्द- सोशल मीडिया, युवा पीढ़ी, समाजशास्त्र, सामाजिक परिवर्तन, डिजिटल संस्कृति, सामाजिक प्रभाव

1. प्रस्तावना

मानव समाज निरंतर परिवर्तनशील है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास ने सामाजिक जीवन की संरचना एवं कार्यप्रणाली को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। इंटरनेट एवं संचार तकनीक के विस्तार के साथ सोशल मीडिया आधुनिक समाज में संवाद का प्रमुख माध्यम बन गया है। वर्तमान समय में युवा वर्ग सोशल मीडिया का सबसे अधिक उपयोग करने वाला वर्ग है।

सोशल मीडिया ने वैश्विक स्तर पर लोगों को जोड़ने, विचारों के आदान-प्रदान एवं सूचना के त्वरित प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिक्षा, राजनीति, व्यापार, संस्कृति एवं सामाजिक आंदोलनों में भी सोशल मीडिया का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। परंतु इसके अत्यधिक उपयोग से कई सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्याएँ भी उत्पन्न हो रही हैं।

समाजशास्त्रीय दृष्टि से सोशल मीडिया केवल तकनीकी माध्यम नहीं बल्कि सामाजिक संरचना एवं सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करने वाली एक महत्वपूर्ण संस्था बन चुका है। इसलिए इसके प्रभावों का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

2. सोशल मीडिया की अवधारणा

सोशल मीडिया इंटरनेट आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसके माध्यम से व्यक्ति सूचना, विचार, चित्र, वीडियो एवं संदेशों का आदान-प्रदान करते हैं। यह संचार का ऐसा माध्यम है जो उपयोगकर्ताओं को सक्रिय सहभागिता का अवसर प्रदान करता है।

सोशल मीडिया की प्रमुख विशेषताएँ

1. त्वरित संचार
2. वैश्विक पहुँच
3. सूचना का तीव्र प्रसार
4. सामाजिक सहभागिता
5. डिजिटल नेटवर्किंग
6. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

सोशल मीडिया ने पारंपरिक संचार प्रणाली को परिवर्तित कर डिजिटल समाज की अवधारणा को विकसित किया है।

3. समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से सोशल मीडिया

समाजशास्त्र सामाजिक संबंधों, संस्थाओं एवं व्यवहारों का अध्ययन करता है। सोशल मीडिया ने सामाजिक संबंधों एवं

सामाजिक संरचना को नए रूप में परिवर्तित किया है।

3.1 क्रियात्मकतावादी दृष्टिकोण (Functionalist Perspective)

क्रियात्मकतावादी विचारधारा के अनुसार समाज विभिन्न संस्थाओं से मिलकर बना एक संगठित तंत्र है। सोशल मीडिया समाज में सूचना प्रसार, सामाजिक एकता एवं जागरूकता को बढ़ावा देने का कार्य करता है।

3.2 संघर्षवादी दृष्टिकोण (Conflict Perspective)

संघर्षवादी दृष्टिकोण के अनुसार सोशल मीडिया का उपयोग शक्ति, प्रभुत्व एवं विचारधारा के प्रसार हेतु भी किया जाता है। डिजिटल असमानता एवं सूचना नियंत्रण सामाजिक संघर्ष को बढ़ा सकते हैं।

3.3 प्रतीकात्मक अंतक्रियावाद (Symbolic Interactionism)

इस दृष्टिकोण के अनुसार व्यक्ति सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी पहचान एवं सामाजिक छवि का निर्माण करता है। ऑनलाइन संवाद एवं प्रतीकों का सामाजिक व्यवहार पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

4. युवा पीढ़ी पर सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव

4.1 शिक्षा एवं ज्ञान का विस्तार

सोशल मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षाओं, शैक्षिक वीडियो एवं डिजिटल सामग्री के माध्यम से ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं।

4.2 सामाजिक जागरूकता

युवा वर्ग सामाजिक, राजनीतिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक जागरूक हो रहा है।

4.3 रोजगार एवं उद्यमिता

सोशल मीडिया ने रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं। डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन एवं ऑनलाइन व्यवसाय तेजी से विकसित हो रहे हैं।

4.4 सामाजिक सहभागिता

सोशल मीडिया ने विभिन्न समुदायों एवं समूहों के बीच संवाद एवं सहयोग को बढ़ावा दिया है।

4.5 प्रतिभा प्रदर्शन का मंच

युवा अपनी कला, संगीत, लेखन एवं अन्य प्रतिभाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

5. सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव

5.1 सामाजिक अलगाव

सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से व्यक्ति वास्तविक सामाजिक संबंधों से दूर होता जा रहा है। परिवार एवं समाज में प्रत्यक्ष संवाद कम हो रहा है।

5.2 मानसिक तनाव एवं अवसाद

अत्यधिक डिजिटल निर्भरता, लाइक्स एवं फॉलोअर्स की प्रतिस्पर्धा मानसिक तनाव एवं अवसाद को बढ़ा सकती है।

5.3 साइबर अपराध

ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग एवं फेक न्यूज जैसी समस्याएँ सोशल मीडिया के दुष्परिणाम हैं।

5.4 सांस्कृतिक परिवर्तन

पाश्चात्य संस्कृति एवं उपभोक्तावाद का प्रभाव भारतीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को प्रभावित कर रहा है।

5.5 समय की बर्बादी

सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग विद्यार्थियों की अध्ययन क्षमता एवं उत्पादकता को प्रभावित करता है।

6. सोशल मीडिया और सामाजिक परिवर्तन

सोशल मीडिया ने सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया को तीव्र बना दिया है। सामाजिक आंदोलनों, राजनीतिक अभियानों एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

अरब स्प्रिंग आंदोलन, पर्यावरण संरक्षण अभियान एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े कई वैश्विक आंदोलनों में सोशल मीडिया प्रभावी माध्यम के रूप में सामने आया। भारत में भी सामाजिक एवं राजनीतिक अभियानों में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

सोशल मीडिया ने लोकतांत्रिक संवाद को मजबूत किया है, परंतु इसके माध्यम से अफवाह एवं भ्रामक सूचना का प्रसार भी तेजी से होता है।

7. भारतीय समाज और सोशल मीडिया

भारत विश्व के सबसे बड़े इंटरनेट उपयोगकर्ता देशों में से एक है। ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

भारतीय युवा वर्ग सोशल मीडिया के माध्यम से शिक्षा, मनोरंजन एवं रोजगार के अवसर प्राप्त कर रहा है। साथ ही डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण कई सामाजिक समस्याएँ भी उत्पन्न हो रही हैं।

भारतीय समाज में सोशल मीडिया ने पारिवारिक संबंधों, सांस्कृतिक मूल्यों एवं सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन लाया है। यह परिवर्तन सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रकार का है।

8. बहुविषयक (Multidisciplinary) दृष्टिकोण

समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण

सोशल मीडिया सामाजिक संरचना एवं संबंधों को प्रभावित करता है।

1. मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण

डिजिटल निर्भरता मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

2. शैक्षिक दृष्टिकोण

ऑनलाइन शिक्षा एवं डिजिटल लर्निंग में सोशल मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

3. आर्थिक दृष्टिकोण

डिजिटल अर्थव्यवस्था एवं ऑनलाइन व्यवसाय सोशल मीडिया पर आधारित होते जा रहे हैं।

4. राजनीतिक दृष्टिकोण

राजनीतिक प्रचार एवं जनमत निर्माण में सोशल मीडिया प्रभावी माध्यम बन चुका है।

9. सुधार एवं सुझाव

1. युवाओं में डिजिटल साक्षरता बढ़ाई जाए।
2. सोशल मीडिया के संतुलित उपयोग के प्रति जागरूकता विकसित की जाए।
3. साइबर अपराध रोकने हेतु कठोर कानून लागू किए जाएँ।
4. शैक्षणिक संस्थानों में डिजिटल नैतिकता की शिक्षा दी जाए।
5. परिवारों में प्रत्यक्ष संवाद एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाए।
6. फेक न्यूज़ एवं अफवाहों के विरुद्ध प्रभावी नियंत्रण तंत्र विकसित किया जाए।
7. युवाओं को रचनात्मक एवं शैक्षिक उपयोग हेतु प्रेरित किया जाए।

10. निष्कर्ष

सोशल मीडिया आधुनिक समाज में सामाजिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। यह युवा पीढ़ी के जीवन, व्यवहार एवं सामाजिक संबंधों को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। सोशल मीडिया ने जहाँ शिक्षा, जागरूकता एवं

सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दिया है, वहीं मानसिक तनाव, सामाजिक अलगाव एवं साइबर अपराध जैसी चुनौतियाँ भी उत्पन्न की हैं।

समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से यह स्पष्ट है कि सोशल मीडिया समाज की संरचना एवं संस्कृति को नए रूप में परिवर्तित कर रहा है। इसलिए आवश्यक है कि इसके सकारात्मक उपयोग को बढ़ावा दिया जाए तथा नकारात्मक प्रभावों को नियंत्रित करने हेतु प्रभावी सामाजिक एवं शैक्षिक उपाय अपनाए जाएँ।

यदि सोशल मीडिया का संतुलित एवं जिम्मेदार उपयोग किया जाए तो यह सामाजिक विकास एवं राष्ट्रीय निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

संदर्भ सूची (References)

1. एम. एन. श्रीनिवास – भारतीय समाजशास्त्र
2. जी. एस. घुर्ये – भारतीय समाज एवं संस्कृति
3. Anthony Giddens – Sociology
4. Emile Durkheim – The Division of Labour in Society
5. Karl Marx – Social Theory and Philosophy
6. Manuel Castells – The Rise of the Network Society
7. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000
8. इंटरनेट एवं सोशल मीडिया संबंधी विभिन्न शोध पत्र एवं जर्नल लेख
9. UNESCO Digital Literacy Reports
10. भारत सरकार – डिजिटल इंडिया रिपोर्ट